बैंकों के लिए अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित सुझाव दिए हैं :—

(i) विदेशी निवेश से संबंधित सरकार की नीति के अन्य पहलुओं के अनुसार विदेशी बैंकों को भारत में शाखाओं के रूप में या अनुषंगियों के रूप में, जहां भारतीय रिजर्व बैंक इसे उपयुक्त समझता है, उन्हें अपने कार्यालय खोलने की अनुमति देने से संबंधित नीति को और अधिक उदार होना चाहिए । यह नीति समानता की सांविधिक आवश्यकताओं और ऐसे न्यूनतम समनदेशी पूंजी के रख-रखाव, जो कि भारतीय रिजर्व बैंक ने निर्धारित किया हो, के अनुसार होगी ।

(ii) विदेशी बैंकों और भारतीय बैंकों के बीच संयुक्त उद्यम को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए । यह बढ़ावा विशेष रूप से व्यापार और निवेश बैंकिंग, पट्टा और वित्तीय सेवाओं के अन्य नए तरीकों में संबंधित होना चाहिए ।

(iii) विदेशी बैंकों से वही अपेक्षा की जानी चाहिए जो अपेक्षायें घरेलू बैंकों पर लागू होती हैं । यदि शाखा नेटवर्क न होने जैसी कुछ रुकावटों को देखते हुए विदेशी बैंक प्राथमिकता क्षेत्र के दायित्व जैसी कुछ अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते हैं तो भारतीय रिजर्व बैंक को भारतीय बैंकों को होने वाली किसी भी प्रकार की संभावित प्रतिस्पर्धात्मक हानि को दूर करने के लिए वैकल्पिक प्रक्रिया तैयार करनी चाहिए ।

(घ) से (च) भारत में विदेशी बैंकों के संबंध में समिति की सिफारिशों की सरकार जांच कर रही है ।

Rehabilitation of sick Industries of Dhanbad

3713. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 722 given in the Rajya Sabha on 5th May, 1992 and state:

(a) what are the details of the findings and the steps taken to revive and start the companies in Dhanbad referred to the BIFR;

(b) whether operating trade unions have been associated in the process;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) The Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) has reported that out of 3 companies in Dhanbad referred to them:

(i) Industrial Reconstruction Bank of India (IRBI) has been appointed as Operating Agency (OA) to explore the possibilities of reviving the Harry Refractory and Ceramic Works (P) Ltd. OA's report is awaited.

(ii) In the case of Bihar Firebricks Potteries Ltd., at the last hearing the Bench recorded its opinion that it is just and equitable that the sick industrial company should be wound up in terms of Section 20 of the Act. The opinion has been forwarded to the concerned High Court for further necessary action.

(iii) At the last BIFR hearing, approval was accorded to Kumardhubi Fire Clay & Silca Works to go ahead with their scheme of revival.

(b) and (c) Yes, Sir. However, although notice of the review meeting on 9-1-92 was sent to the workers' union of Harry Refractory & Ceramics Ltd., no representative was present for the meeting. The representatives of Bihar Firebricks attended the hearing on 3.7.89, though not any subsequent hearings. In the case of Kumardhubi Fire Clay Silca Works, its representatives attended both the hearings on 19.9.89 and 8.8.90;

(d) Does not arise.